'अनुसंधान पद्धति' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हिंदू कन्या महाविद्यालय, जींद के इतिहास विभाग द्वारा 14 अक्तूबर 2023 को “अनुसंधान पद्धति” विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉक्टर पूनम मोर के द्वारा किया गया। प्राचार्या महोदया ने स्नातकोत्तर की छात्राओं के लिए अनुसंधान पद्धति को एक महत्वपूर्ण विषय बताते हुए इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला की संयोजिका डॉक्टर रश्मि मलिक ने कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में छात्राओं के बीच अपने विचार रखे कि अनुसंधान संस्कृति को विकसित करना राष्ट्र की वृद्धि एवं विकास के लिए आवश्यक है। ‘प्रो. एस. के. चहल’ अध्यक्ष इतिहास विभाग और डीन ऑफ सोशल साइंस कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने कार्यशाला के प्रथम तकनीकी सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास लेखन में साक्ष्य, तथ्य, पूर्वाग्रह, कार्यकारण, वस्तुनिष्ठता और इतिहास के कला व विज्ञान आदि अनुसंधान पद्धति पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्राचीन भारत, मध्यकालीन भारत और आधुनिक भारत में अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं से छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने छात्राओं को आलोचनात्मक विचारक बनने और हमेशा शोध के निष्कर्षों पर सवाल उठाने की सलाह दी। दूसरे तकनीकी सत्र में श्री राजकुमार सहायक प्रवक्ता इतिहास राजकीय महाविद्यालय, जींद ने रोचक तरीके से व्यवहारिक अनुसंधान एवं वर्णनात्मक अनुसंधान पर चर्चा करते हुए छात्राओं को इतिहास लेखन की विधियों की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को क्षेत्रीय इतिहास में रुचि लेने व अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया। अंत में दोनों वक्ताओं ने छात्राओं की अनुसंधान से संबंधित शंकाओं का निवारण किया। ‘प्रो. एस. के. चहल’ के साथ आए दो शोधार्थी विकास व अमनजीत ने भी शोध पद्धति पर छात्राओं से अपने विचार सांझा किये। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं श्रीमती नीलम, डॉक्टर अंशु, श्रीमती सोनी गोयल, श्रीमती रेखा सैनी, श्रीमती निशा व कुमारी गीता मौजूद रही। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्या डॉक्टर पूनम मोर ने कार्यशाला के सफल आयोजन पर इतिहास विभाग को बधाई दी।

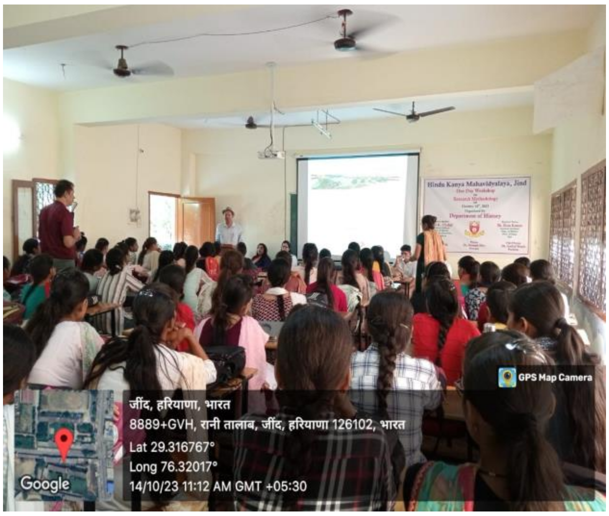

अनुसंधान संस्कृति को विकसित करना जरूरी

हिंदू कॉलेज में अनुसंधान पद्धति विषय पर कार्यशाला आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के इतिहास विभाग की ओर से अनुसंधान पद्धति विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजित की गई। इसका शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूनम मोर ने किया।

इस दौरान डॉ. पूनम मोर ने स्नातकोत्तर की छात्राओं के लिए अनुसंधान पद्धति को एक महत्वपूर्ण विषय बताया। कार्यशाला की संयोजिका डॉ. रश्मि मलिक ने कहा कि अनुसंधान संस्कृति को विकसित करना राष्ट्र की वृद्धि एवं विकास के लिए आवश्यक है। प्रो. एसके चहल अध्यक्ष इतिहास विभाग और डीन ऑफ सोशल साइंस कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र ने कार्यशाला के प्रथम तकनीकी स्तर में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास लेखन में साक्ष्य, तथ्य, पूर्वाग्रह, कार्यकारण, वस्तुनिष्ठता और इतिहास के कला व विज्ञान आदि अनुसंधान पद्धति पर प्रकाश डाला।

उन्होंने प्राचीन भारत, मध्यकालीन भारत और आधुनिक भारत में अनुसंधान के विभिन्न पहलुओं से छात्राओं को अवगत कराया। उन्होंने छात्राओं को आलोचनात्मक विचारक बनने और हमेशा शोध के निष्कर्षों पर सवाल उठाने की सलाह दी।

दूसरे तकनीकी स्तर में राजकुमार सहायक प्रवक्ता इतिहास राजकीय महाविद्यालय जींद ने रोचक तरीके से व्यावहारिक अनुसंधान एवं वर्णनात्मक अनुसंधान पर चर्चा करते हुए छात्राओं को इतिहास लेखन की विधियों की जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को क्षेत्रीय इतिहास में रुचि लेने व अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया। अंत में दोनों वक्ताओं ने छात्राओं की अनुसंधान से संबंधित शंकाओं का निवारण किया। प्रो. एसके चहल के साथ आए दो शोधार्थी विकास, अमनजीत ने भी शोध पद्धति पर छात्राओं से अपने विचार सांझा किए। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं नीलम, डॉ. अंशु, सोनी गोयल, रेखा सैनी, निशा, कुमारी गीता मौजूद रहीं। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्या डॉ. पूनम मोर ने कार्यशाला के सफल आयोजन पर इतिहास विभाग को बधाई दी।

हिन्दू कॉलेज में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करतीं वक्ता। संवाद

Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind

One Day Workshop
on
Research Methodology
on
October 14th, 2023

Organized By
Department of History

Keynote Speaker		Resource Person
Dr. S.K. Chahal Assistant Professor Dept. of History Kurukshetra University, Kurukshetra		**Sh. Ram Kumar** Assistant Professor Dept. of History Govt. College, Jind

Convenor	Patron	Chief Patron
Dr. Rashmi Malik HOD, History	Dr. Poonam Mor Principal	Dr. Anshul Singla President